तापमान

अधिकतम 28.2 डिग्री
न्यूनतम 7.1 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि

रोहतक, सोमवार, 17 फरवरी 2025

11 अब शिक्षा कक्षा तक सीमित नहीं ऑनलाइन ...

12 31 साहित्यकार सम्मानित, 10 पुस्तकों का लोकार्पण

शहर में आज

- नगर निगम चुनाव के लिए नामांकन भरने का अंतिम दिन
- आंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर
- लघु सचिवालय में समाधान शिविर में सुनीं जाएंगी समस्याएं।

निगम चुनाव: नामांकन का आज अंतिम दिन, भाजपा जारी कर चुकी 22 की सूची

कांग्रेस में दो टिकटों का फंसा पेंच 22 में से 20 सीटों पर उतारे प्रत्याशी

- मेयर पद पर रामअवतार वाल्मीकि और सूरजमल किलोई में होगी टक्कर
- नामांकन भरने से पहले से ही कई प्रत्याशी अपने एरिया में जनसंपर्क अभियान चला रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

नगर निगम चुनाव के लिए कांग्रेस और भाजपा के प्रत्याशी जोरशोर से मैदान में कूद पड़े हैं। मेयर पद पर कांग्रेस के सूरजमल किलोई और भाजपा के रामअवतार वाल्मीकि में सीधा मुकाबला है। वहीं, कांग्रेस ने नामांकन के एक दिन पहले प्रत्याशियों की लिस्ट जारी कर दी है। यह अलग बात है कि लिस्ट केवल 20 के नाम है। 2 सीटों पर अभी भी पेंच फंसा हुआ है जिसकी घोषणा सोमवार को की जाएगी। खास बात यह है कि नामांकन भरने से कई दिन पहले से ही प्रत्याशी अपने एरिया में जनसंपर्क अभियान चला रहे हैं, जिनमें से अधिकतर ने कार्यालयों का उद्घाटन भी कर लिया है।

नगर निगम चुनाव की सरगर्मियां बढ़ी

कांग्रेस ने इन्हें दिया टिकट

कांग्रेस ने 20 वार्डों की लिस्ट जारी की है। वार्ड 1 से वीरेंद्र सिंह, वार्ड 2 से अशोक कुमार, 3 से मोनिका रानी, 4 से सपना, 5 से संदीप, 6 से मिनाक्षी जैन, 7 से संजय मलिक, 8 से शारदा, 11 से परीक्षित देशवाल, 12 से पूर्व पार्षद कदम सिंह अहलावत, 13 से यशवीर खरब, 14 से आरती जुनेजा, 15 से संजय कुमार, 16 से मयूर मुदगिल, 17 से गुलशन कुमार, 18 से सीमा, 19 से विजय कुमार गोयल, 20 से पूर्व डिप्टी मेयर अनिल कुमार, 21 से शमशेर सिंह और 22 से योगिता को टिकट दिया गया है। इस सूची में कई नए चेहरें हैं। जबकि पूर्व पार्षदों को भी मौका दिया गया है। जो वार्ड रह गए हैं उनकी सूची पर अभी मंथन चल रहा है।

भाजपा ने शनिवार को जारी की थी लिस्ट

हालांकि भाजपा की तरफ से शनिवार को ही 22 पार्षदों की लिस्ट जारी कर दी गई थी। इसके लिए पार्टी ने भावी उम्मीदवारों का साक्षात्कार भी लिया था। भाजपा की लिस्ट में कई ऐसे चेहरे हैं जिनकी जीत सुनिश्चत मानी जा रही है। वे अपने कार्य के बल पर कई बार पार्षद का चुनाव जीत चुके हैं।

कांग्रेस ने इन पर जताया भरोसा

कदम सिंह अहलावत वार्ड-12 | गुलशन कुमार वार्ड-17 | अनिल कुमार वार्ड-20

18 फरवरी को नामांकन पत्रों की होगी जांच

नगर निगम रोहतक व कलानौर नगरपालिका चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने का आज आखिरी दिन है। सुबह 11 से 3 बजे तक नामांकन पत्र दाखिल किए जाएंगे। इसके बाद 2 मार्च को मतदान होगा तथा 12 मार्च को मतगणना के बाद परिणाम घोषित किए जाएंगे। निर्धारित अवधि तक प्राप्त नामांकन पत्रों की 18 फरवरी को सुबह 11:30 बजे जांच की जाएगी तथा 19 फरवरी सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक उम्मीदवारों द्वारा नाम वापिस लिए जा सकेंगे। इसी दिन 3 बजे के बाद चुनाव मैदान में रहने वाले उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाएंगे तथा इन उम्मीदवारों की सूची चस्पा दी जाएगी तथा मतदान केंद्रों की सूची भी चस्पा दी जाएगी। 2 मार्च को सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान होगा तथा 12 मार्च को सुबह 8 बजे से मतगणना करवाई जाएगी। मतगणना होने के तुरंत बाद परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे।

मकड़ौली कलां में किसान पंचायत

किसान सम्मान निधि का बजट बढ़ाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गांव मकड़ौली कला में पूर्व मंत्री एवं भाजपा नेता कृष्ण मूर्ति हुड्डा द्वारा आयोजित एक किसान पंचायत का आयोजन किया गया। किसान इस पंचायत में शामिल हुए और उन्होंने अपनी समस्यायें रखी। पूर्व मुख्यमंत्री के पैतृक गांव सांघी से भी बड़ी संख्या में किसान आए और उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री की गलत कारवाई के कारण सांघी गांव में पीने के पानी की व सिंचाई के पानी की बहुत भारी किल्लत है। भाजपा जिला अध्यक्ष रणवीर ढाका ने किसान पंचायत की अध्यक्षता की व सम्बोधित किया। किसान पंचायत ने 4 प्रस्तावसर्वसम्मति से पास किए। पंचायत ने एक प्रस्ताव पास करके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का किसान सम्मान निधि के माध्यम से लाखो करोड़ रुपये हर वर्ष किसानों के खाते में डालने के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। न्यूनतम समर्थन मूल्य पर हरियाणा के किसानों की 24 फसलें खरीदने पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त किया, किसान की बीमा राशि भारत सरकार द्वारा देने की पंचायत ने हाथ खड़े करके मांग की है, किसान सम्मान निधि का इस वर्ष के बजट में बढ़ाने की भी मांग की है। किसान नेता गुगन सिंह एडवोकेट ने अनेकों सुझाव दिये और किसानों की समस्या से अवगत करवाया। किसान यूनियन के जिला अध्यक्ष वेदपाल हुड्डा ने भी अनेकों किसानों की समस्यायें बताई। पंडित ओमनारायण शर्मा, जसिया के सरपंच ओमप्रकाश, डॉ दिनेश घिलौड़, सुरजीत हुड्डा, दलीप सिंह किलोई, मनीष अहलावत किलोई, युवा नेता गौरव हुड्डा ने भी किसान पंचायत को सम्बोधित किया।

खबर संक्षेप

मदविः शोध प्रविधि कार्यशाला आज से

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय की फैकल्टी ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज, फैकल्टी ऑफ लाइफ साइंसेज तथा फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग (ईवीएस एंड बायोटेक्नोलॉजी) के नव प्रवेश प्राप्त शोधार्थियों के लिए चौ. रणबीर सिंह इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल एंड इकोनॉमिक चेंज के तत्वाधान 17 फरवरी से शोध प्रविधि कार्यशाला प्रारंभ होगी। इस शोध कार्यशाला के कन्वीनर प्रो. हरीश दुरेजा ने बताया कि कुलपति प्रो. राजबीर सिंह बतौर मुख्यातिथि इस कार्यशाला का शुभारंभ करेंगे। यह कार्यशाला स्वराज सदन में सुबह 9:30 बजे से प्रारंभ होगी।

वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह 22 को

महम। साक्षी मलिक राजकीय महाविद्यालय मोखरा में 22 फरवरी वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह आयोजित किया जाएगा। प्राचार्या डॉ. सीमा जैन ने बताया कि यह समारोह सुबह साढ़े 10 बजे कॉलेज ऑडिटोरियम में आयोजित किया जाएगा।

श्री बालाजी धाम डोभ पहुंची पैदल ध्वजा यात्रा

रोहतक। भिवानी रोड स्थित श्री बालाजी धाम गांव डोभ पर रविवार को पैदल ध्वजा यात्रा पहुंची। संस्थापक प्रधान पुरुषोत्तम दास बंसल ने बताया कि प्रत्येक रविवार को शनि देव मित्र मंडल तेज कॉलोनी द्वारा श्री दुर्गा भवन मंदिर भिवानी स्टैंड से सुबह 10 बजे पैदल ध्वजा यात्रा का आयोजन किया जाता है। धाम पर संकीर्तन, स्वास्थ्य जांच शिविर व भंडारे का आयोजन किया जाता है। दुर्गा भवन मंदिर से ज्योत प्रचंड कर यात्रा का शुभारंभ किया गया। सभी हाथ में ध्वजा लिये जय श्री राम के जयकारे लगाते हुये श्री बालाजी धाम डोभ पहुंचे।

सी सर्टिफिकेट के लिए लिखित परीक्षा

रोहतक। एनसीसी रोहतक मुख्यालय के डिप्टी कमांडर कर्नल गुनपाल सिंह के नेतृत्व में एमडीयू खेल ग्राउंड में सी सर्टिफिकेट के लिए लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया। एनसीसी ग्रुप हेड क्वार्टर रोहतक के अंतर्गत आने वाली फर्स्ट हरियाणा एनसीसी बटालियन रोहतक, सेकेंड हरियाणा कन्या वाहिनी रोहतक, 11 हरियाणा एनसीसी बटालियन भिवानी अधीनस्थ विभिन्न कॉलेज के 649 केएसडब्ल्यू, एसडी कैडेट्स की फर्स्ट हरियाणा एनसीसी बटालियन के परिसर में थर्ड हरियाणा कन्या वाहिनी हिसार के कमान अधिकारी बतौर परीक्षा अधीक्षक कर्नल ज्ञान प्रकाश पांडे के नेतृत्व में संपन्न हुई। एनसीसी मुख्यालय रोहतक के डिप्टी कमांडर कर्नल गुनपाल सिंह ने सभी कैडेट्स को कहा कि इस परीक्षा के माध्यम से सभी कैडेट्स को एनसीसी, हथियार, स्वास्थ्य, मैप ,बौद्धिक व मानसिक विकास से संबंधित प्रश्नों को जांचने का अवसर प्राप्त होगा।

एमडीयू में कल से यूथ रेडक्रॉस शिविर

रोहतक। हरियाणा रेडक्रॉस सोसाइटी चंडीगढ़ और महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी यूथ रेडक्रॉस के सहयोग से पांच दिवसीय यूथ रेडक्रॉस कैंप का आयोजन जिला रेडक्रॉस द्वारा महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी के कांफ्रेंस हॉल में 18 से 22 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा।

इस शिविर में जिले के 120 से अधिक विभिन्न कॉलेज के छात्र-छात्राएं और काउंसलर भाग लेंगे। शिविर का शुभारंभ 18 फरवरी को उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा करेंगे। जानकारी देते हुए रेडक्रॉस सचिव श्याम सुंदर और यूथ रेडक्रॉस महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी की कोऑर्डिनेटर मंजू धीमान ने बताया कि जिला स्तरीय यूथ रेडक्रॉस कैंप हरियाणा रेडक्रॉस सोसायटी चंडीगढ़ के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। इस कैंप में युवाओं को हर दिन रेडक्रॉस से संबंधित जानकारी के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक मुद्दों, सामाजिक समस्याओं, स्वास्थ्य, फस्ट ऐड सीपीआर ट्रेनिंग, मानवीय मूल्य, विभिन्न ज्वलंत विषयों की जानकारी भी विशेषज्ञों द्वारा दी जाएगी। उन्होंने बताया कि पांच दिन तक चलने वाले इस कैंप में जिले के वो सभी कॉलेज शामिल होंगे, जिन कॉलेज में यूथ रेडक्रॉस का गठन किया गया है। उन्होंने बताया कि उपायुक्त यूथ रेडक्रॉस कैंप में भाग लेने वाले युवाओं के साथ संवाद भी करेंगे।

रोहतक। आरोपित पुलिस की गिरफ्त में। फोटो : हरिभूमि

धामड़ निवासी युवकों पर फायरिंग करने के आरोप में 4 लोग पुलिस गिरफ्त में

रोहतक। पुलिस की सीआईए-2 स्टाफ की टीम ने धामड़ निवासी युवकों पर हुई फॉयरिंग व गोली लगने से मनीष की मौत के मामले में 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों को कोर्ट में पेश कर दो दिन के रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है। सीआईए-2 स्टाफ के एसआई सतीश कुमार ने बताया कि 8 फरवरी को पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि रिठाल नहर पुल पर गोलियां चली हैं और घायलो को अस्पताल ले जाया गया है। पुलिस टीम ने तुंरत मौके पर पहुंचकर जांच शुरु की। गोली लगने से घायल हुए युवकों की पहचान सौरभ व मनीष निवासी धामड़ के रुप में हुई।11 फरवरी को मनीष की मौत हो गई। सौरभ की शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ थाना सदर मे केस दर्ज किया गया। मामले मे हत्या की धारा जोड़ी गई। प्रारंभिक जांच मे सामने आया किवारदात के दिन करीब साढे 3 बजे सौरभ व मनीष अपने गांव से रिठाल पुल पर जेएनएल नहर से पानी लेने गए थे। मनीष व सौरभ नहर पर पहुंचे तो वंहा पर पहले से 3 गाड़ी खड़ी थी। जिनमें मनदीप, आशीष, साहिल, रवि, रोहन, दीपक व अन्य युवक थे। युवकों ने अपने हाथ में ली हुई पिस्तौल से सौरव व मनीष पर जान से मारने की नियत से अंधाधुंध गोलियां चला दीं। मनीष व सौरभ को गोलियां लगी। इस दौरान आरोपी सचिन निवासी गांव डीघल जिला झज्जर, मनदीप, आशीष व रोहन निवासी गांव धामड़ को गिरफ़्तार किया गया है।

सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने रामबीर पहलवान के अखाड़े में खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

हरियाणा के खिलाड़ियों ने पूरी दुनिया में देश और प्रदेश का डंका बजाया

- एक अच्छे खिलाड़ी की पहचान होती है कि वो अपने हुनर को लगातार निखारने की कोशिश करता है और विफलताओं से सीख लेकर सुधार करता रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने रविवार को गढ़ी सांपला में रामबीर पहलवान के अखाड़े पर आयोजित एक कार्यक्रम में पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कुश्ती हरियाणा का परंपरागत खेल है और हरियाणा के खिलाड़ियों ने पूरी दुनिया में देश व प्रदेश का डंका बजाया है। उन्होंने कहा कि एक अच्छे खिलाड़ी की यही पहचान होती है कि वो अपने हुनर को लगातार निखारने की कोशिश करता है और विफलताओं से सीख लेकर सुधार करता है। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि हरियाणा के खिलाड़ियों में नैसर्गिक प्रतिभा है। इसे देखते हुए पूर्ववर्ती हुड्डा सरकार की खेल और खिलाड़ियों को बढ़ावा देने की नीयत से लागू की गयी 'पदक लाओ, पद पाओ' और 'स्पैट' नीति से खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिला। कांग्रेस की हुड्डा सरकार के समय पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को पद, पैसा और प्रतिष्ठा दी गई। जब भी हमारा खिलाड़ी कोई बड़ा अंतर्राष्ट्रीय स्तर का टूर्नामेंट जीतकर आता था तो कांग्रेस सरकार पद के साथ ही भरपूर पैसा और लाखों की हाजिरी में उनकी प्रतिष्ठा को बढ़ाने का काम करती थी।

रोहतक। गढ़ी सांपला में रामबीर पहलवान के अखाड़े पर आयोजित एक कार्यक्रम में पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते सांसद दीपेंद्र हुड्डा।

सरकार की कार्यशैली पर उठाए सवाल

सांसद दीपेन्द्र ने कहा कि प्रदेश की जनता सरकार के 100 दिनों की कार्यशैली और आसमान पर पहुंचे अहंकार से दुखी है। लेकिन, यह भी सच है कि हरियाणा की जनता ने पूरे प्रदेश में कांग्रेस को भाजपा के बराबर मत प्रतिशत देकर मजबूत विपक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है, इसे हम अच्छे से निभायेंगे।

जागरूकता डीएसपी राकेश कुमार ने 8 गांवों का दौरा कर मौजिज व्यक्तियों के साथ की मीटिंग

नशे की रोकथाम और कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का करें सहयोग

अपराधिक घटनाओं की सूचना पुलिस के साथ करें साझा

- असामाजिक तत्वों नशीले पदार्थों का सेवन करके लड़ाई-झगड़ा कर शांति भंग करने वालों की पहचान करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

उप पुलिस अधीक्षक कलानौर राकेश कुमार ने नशे की रोकथाम के लिए 8 गांवो का दौरा कर गांव के सरपंच, मौजिज व्यक्तियों के साथ मीटिंग की। उन्होंने कहा कि आपके आस-पास किसी भी तरह की आपराधिक वारदात घटित होती है तो उसकी सूचना तुरंत पुलिस को दे। उप पुलिस अधीक्षक ने गांव माडौदी जाटान, सुडाना, मसुदपुर, ककराणा, गरनावठी, बलब, माडौदी रांगराण, तिमारपुर (जेठपुर) में दौरा किया। पुलिस महानिदेशक हरियाणा शत्रुजीत सिंह कपूर व पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र बिजारणिया के दिशा निर्देशों अनुसार यह दौरा किया गया। इस दौरान डीएसपी ने कहा कि नशा रोकने व अपने परिवार मे नशे के खिलाफ जागरुक करने मे आगे आए। रोहतक को नशे से व अपराध से मुक्त करने मे सहयोग करें। अवैध धंधा करने वालों की सूचना गुप्त रूप से रोहतक पुलिस को दे। आपका नाम व पहचान गुप्त रखी जाएगी। पुलिस द्वारा कानून अनुसार कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि गांव मे असामाजिक या अपराधी किस्म के व्यक्तियो का सहयोग ना करे। गांव में नशा तस्कर जैसे अवैध शराब, स्मैक, गांजा, चरस, अफीम, हेरोईन, गलत गतिविधियों आदि मे शामिल व्यक्तियों के बारे में सूचना दे। इसके साथ ही असामाजिक तत्व जो अत्याधिक मात्रा में नशीले पदार्थों का सेवन करके लड़ाई-झगडा कर शांति भंग करते हैं, अपराधी व्यक्तियों की पहचान करे। इस दौरान प्रभारी थाना कलानौर निरीक्षक सतपाल सिंह, प्रभारी पुलिस चौकी काहनौर व अन्य मौजूद रहे।

रोहतक। ग्रामीणों को सम्बोधित करते उप पुलिस अधीक्षक कलानौर राकेश कुमार। फोटो : हरिभूमि

विजय मित्तल ने विद्यालय को दान किया वाटर कूलर

महम। महम चौबीसी क्षेत्र के गांव फरमाणा में नवयुग पब्लिक स्कूल में वार्षिक समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रिंसिपल परमवीर सिंह ने की। इलाके के प्रमुख समाजसेवी विजय मित्तल ने समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस दौरान उन्होंने छात्र छात्राओं से मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए कहा। साथ ही पर्यावरण प्रदूषण को कम करने के लिए जन्मदिन पर पौधरोपण के लिए प्रेरित किया। विजय मित्तल ने बच्चों को ठंडा और स्वच्छ पानी पीने के लिए एक वाटर कूलर दान दिया। फरमाना बादशाहपुर के सरपंच सोमबीर पंवार ने 5100 रुपए देकर बच्चों का हौसला बढ़ाया। इस मौके पर जगबीर डायरेक्टर, मनोज कुमार, अजीत सिंह और विद्यालय स्टाफ, छात्र छात्राएं और बच्चों के अभिभावक मौजूद रहे।

रोहतक। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के डिप्टी लाइब्रेरियन डॉ. नरेंद्र चौहान ।

मदविः भारत में सर्वोत्तम शोध एवं शैक्षणिक प्रथाएं विषय पर व्याख्यान

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग में रविवार को एक विशेष विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस मौके पर गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के डिप्टी लाइब्रेरियन डॉ. नरेंद्र चौहान ने भारत में सर्वोत्तम शोध एवं शैक्षणिक प्रथाएं विषय पर विचार साझा किए। कार्यक्रम की शुरुआत विभाग की छात्रा अन्नू द्वारा अतिथि परिचय से हुई, जिसके बाद विभागाध्यक्ष द्वारा डॉ. चौहान का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। व्याख्यान में छात्रों, शोधार्थियों और संकाय सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपने ज्ञानवर्धन के साथ-साथ प्रेरणा भी प्राप्त की। कार्यक्रम के समापन पर छात्रा पिंकी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर डॉ. संजीव काद्यान (विभागाध्यक्ष), प्रो. निर्मल कुमार, डॉ. अनिल कुमार सिवाच आदि मौजूद रहे।

तब तक लड़ना मत छोड़ो जब तक अपनी तय की हुई जगह पर ना पहुँच जाओ- यही, अद्वितीय हो तुम। ज़िन्दिगी में एक लक्ष्य रखो, लगातार ज्ञन प्राप्त करो, कड़ी मेहनत करो, और महान जीवन को प्राप्त करने के लिए दृढ़ रहो। **- डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम**

पिता ने कहा- 'हमारी कोई बेटी नहीं। पैदा तो हुई थी पर जवानी की दहलीज पर पैर रखा ही था कि मौत हो गई।' लोगों ने कहा- 'ऐसा क्यों बोल रहे हो?' आहत पिता बोले- 'अनुभव है। विगत के झूठे इतिहास को सच मानकर जीने वाले, अपनी संस्कृति से मुँह मोड़ने वाले ये लोग, अब हमारे नहीं रहे। उनसे नाता जोड़ लेना सही नहीं है।'

कहानी

सुरेश वशिष्ठ

मिताली का मौन

ससुराल के नये घर में मिताली का खूब आदर सत्कार हुआ। रस्में पूरी हुई तो रात सुहानी का इंतजार होने लगा। दुलहन की पोशाक में सजी, सेज पर वह पति का इंतजार कर रही थी। रात बीती जा रही थी और पति जाने कहाँ गायब था? आधी रात, ननद से मिताली को पता चला कि उसका पति तो अपने दोस्तों के साथ किसी हिल स्टेशन पर घूमने चला गया है।

मिताली बहुत खुश थी। हिमाचल की हसीन वादियों में जन्मी, पली, पढ़ी और अब साइबर सिटी-गुरुग्राम में एक अच्छी एमएनसी कंपनी में नौकरी पर ज्वाइन करने जा रही थी। इसी से वह बहुत खुश दिखाई दे रही थी।

वह विचार करने लगी- 'कैसा होगा वहाँ का परिवेश? कंपनी के संगी-साथियों के साथ कैसे बीतेंगे दिन।....और कब गृहस्थ जीवन में होगा पदार्पण?' यही सवाल अंतस् में उठ रहे थे। सवाल उठते और जवाब भी स्वतः ही उभर आते। और तब... कोई सिहरन, चहक आनंद से देह को भरने लगती थी।

आज मिताली ने एमएनसी कंपनी में ज्वाइन कर लिया था। ऑफिस बहुत सुंदर था। उसे मिलाकर कुल सात लोग उस ऑफिस में काम करते थे। सभी उससे सीनियर थे। तीन लड़कियाँ और चार लड़के पहले से थे। मिताली और ललित ने एक साथ ज्वाइन किया, तो अब चार लड़कियाँ और पाँच लड़के, कुल नौ हो गए। ललित को मिताली ने देखा तो वह नजरों में बस गया। पहले से कार्यरत दो लड़कों और दो लड़कियों में बहुत अच्छी पटती थी। वे चारों दोपहर में एक साथ ही भोजन करते थे और अपने में ही मस्त रहते थे। मिताली, ललित और वैभव के बीच भी अच्छी कैमिस्ट्री जम गई थी। ये तीनों भी साथ-साथ ही भोजन करने लगे थे। दिन बीतने लगे, रातें चली जाती रही और मुलाकातें बढ़ती गई।

एक दिन, दूसरी उन दोनों लड़कियों ने अपने-अपने बॉयफ्रेंड से ब्याह रचा लिया। चारों बहुत खुश दिख रहे थे। ऑफिस में छोटी-सी एक पार्टी रखी गई और दिलफेंक हवाइयाँ भी चलीं। अगले दिन से सभी काम में व्यस्त हो गए। हर दिन उन्हें एक नया अनुभव देता रहा। दोनों लड़के और लड़कियाँ खुशहाल थे। पता चला कि शादी को लेकर एक लड़की का परिवार बहुत नाराज था। शादी में वह शामिल भी नहीं हुआ था। कारण यह कि दोनों की जातियाँ अलग-अलग थीं। लड़की ब्राह्मण थी और लड़का दलित परिवार से था।

पिता ने कहा- 'हमारी कोई बेटी नहीं। पैदा तो हुई थी पर जवानी की दहलीज पर पैर रखा ही था कि मौत हो गई।' लोगों ने कहा- 'ऐसा क्यों बोल रहे हो?' आहत पिता बोले- 'अनुभव है। विगत के झूठे इतिहास को सच मानकर जीने वाले, अपनी संस्कृति से मुँह मोड़ने वाले ये लोग, अब हमारे नहीं रहे। उनसे नाता जोड़ लेना सही नहीं है।'

कुछ दिन बीते। लड़की के व्रत रखने और पूजा-पाठ पर कलह शुरू होने लगी। जिरह होती रही और भीमराव अंबेडकर की महानता के बीच भगवान श्रीराम का चरित्र फीका पड़ने लगा। चेहरे पर से खुशी जाती रही। तनाव साफ-साफ दिखने लगा था।

फिर एक दिन, लड़की आई और कंपनी में अपना त्यागपत्र देकर चली गई। सुना यह था कि उसने दूसरे किसी शहर में किसी नई कंपनी में ज्वाइन कर लिया है। लड़का कुछ दिन मायूस रहा और फिर वह भी एक दिन जॉब छोड़कर चला गया। विवाह का पवित्र वह बंधन टूट चुका था। ललित ने अपने बैग से गुलाब का एक सुंदर फूल निकाला। घुटनों पर बैठकर वह उसे मिताली को देने लगा। मिताली ने पूछा--'यह क्या है?' उसने कहा--'तुम्हें देने का मन हुआ है।' मिताली ने उसे हाथों में पकड़ लिया। वह नहीं जानती थी कि फूल हाथ में पकड़ लेने से लड़कों की सोच बदलने लगती है। बगैर कुछ सोचे समझे उसने तो यूँ ही फूल को हाथों में थाम लिया था। नहीं मालूम था कि गुलाब हाथों में थाम लेना प्रीत की स्वीकारोक्ति है? ललित ने मिताली से कहा--'अच्छी फिल्म लगी है, देखने चलें?' मिताली ने मना कर दिया। उसे आश्चर्य हुआ और पूछने लगा--'क्यों नहीं जाना चाहती?' मिताली बोली--'जिसके साथ ब्याह होगा, उसी के संग फिल्म देखने जाऊँगी।' ललित बोला--'ब्याह मुझसे कर लो?' मिताली कहने लगी- 'घरवाले जहाँ चाहेंगे, वहीं शादी करूँगी। मुझे समाज में अपने पिता का सिर नीचा नहीं करना है।'

अगले कुछ रोज, ललित मिताली से दूर-दूर ही रहा। दोनों के बीच बातचीत भी कम होने लगी। दोपहर में भोजन तो तीनों साथ कर रहे थे लेकिन नाराजगी साफ दिख रही थी।

दूसरे युवक का नाम वैभव था। एक दिन दोपहर भोजन के समय वैभव मिताली से पूछने लगा--'तुम्हारे बीच नाराजगी दिखाई दे रही है।' ललित तो चुप रहा लेकिन मिताली बोली--'नहीं तो! हमारे बीच कोई नाराजगी नहीं।' ललित ने जल्दी से भोजन किया और उठकर चल दिया। वैभव की नजरें दोनों के चहरों को पढ़ रही थी।

उस दिन, भोजन का समय था। टिफिन खुले और तीनों खाने में लग गए। कोई खाना शेयर भी नहीं कर रहा था। कहीं भीतर में खटास थीं। सभी ने गहरी चुप्पी ओढ़ ली थी। वैभव ने मिताली और ललित को गौर से निहारा, फिर मिताली के चेहरे को पढ़ते हुए वह बोला--'मिताली, मैं नासमझ नहीं। तुम्हारे और ललित के बीच बहुत कम बातें हो रही हैं। नाराजगी साफ दिख रही है और यह नाराजगी नई नहीं है। दिनों-दिन बढ़ रही इस नाराजगी का हल निकाल लेना चाहिए। आपस की बात-चीत चलती रहे तो अच्छा लगेगा।' ललित से भी उसने पूछा--'ललित, बोलो तो किस बात पर नाराजगी है?' कुछ देर तो उसने कुछ कहा नहीं, फिर कई बार कुरेदने पर वह बताने लगा--'मैंने प्रीत का इजहार किया था, मिताली ने उसे एक्सेप्ट भी किया था लेकिन अब वह दूर जा रही है।'

'मैं कहाँ दूर जा रही हूँ।' मिताली बोली, 'तुम्हारी हर बात का तो खयाल रखती हूँ। उस रोज तुमने शादी की बात की थी, उस पर मेरा साफ निर्णय हैं--'मेरे पिता जिसके हाथ में भी मेरा हाथ देगें, वही मुझे स्वीकार होगा ! मैं स्वयं से कोई पहल नहीं करूँगी।'

थोड़ी देर चुप्पी रही। फिर वैभव बोला--'सही तो कहा मिताली ने, इसमें क्या गलत है? वह घर की मर्यादा से बाहर नहीं जाना चाहती। और यह तो अच्छी बात है। तुम्हें यह बुरा क्यों लग रहा है?' ललित कुछ नहीं बोला और टिफिन उठाकर चला गया।

मिताली आज बहुत खुश थी। सात-आठ दिन की छुट्टी के बाद वह ऑफिस लौटी थी। सभी से हैलो-हॉय के बाद उसने चमचम और मीठी रसमलाई सभी के लिए परोसी और उनकी टेबुल पर रखती चली गई।

वैभव ने पूछा--'किस खुशी में?' मिताली बोली--'पहले खा लीजिए, खुशी भी बतला ही दूँगी।' सभी ने परोसी गई मिठाइयाँ खा लेने के बाद उसे थैक्यू कहा और मिठाई खिलाने का कारण जानना चाहा। मिताली बताने लगी--'छुट्टियाँ काटकर आई हूँ। इन छुट्टियों में घरवालों ने मेरा रिश्ता पक्का कर दिया है। अगले महीने मेरी शादी है।' ललित के चेहरे से रौनक गायब हो गई। वह उठा और चुप अपनी सीट पर जा बैठा। बाकी सभी मिताली को बधाई देने लगे। मिताली की धूमधाम से शादी हुई। ऑफिस से ललित को छोड़कर बाकी सभी शादी में शामिल हुए। ललित चुप-चुप और गमगीन रहने लगा। मिताली लंबी छुट्टी पर चली गई। ललित हर किसी से बहुत कम बातें करने लगा था।

ससुराल के नये घर में मिताली का खूब आदर सत्कार हुआ। रस्में पूरी हुई तो रात सुहानी का इंतजार होने लगा। दुलहन की पोशाक में सजी, सेज पर वह पति का इंतजार कर रही थी। रात बीती जा रही थी और पति जाने कहाँ गायब था?

आधी रात, ननद से मिताली को पता चला कि उसका पति तो अपने दोस्तों के साथ किसी हिल स्टेशन पर घूमने चला गया है।

वह अचम्भित रह गई। सोचने लगी--'यह कैसा पति है, जो सुहानी रात पत्नी को छोड़कर चला गया।' मन में अनेक शंकाएँ जागने लगीं और बुरे खयाल उसे घेरने लगे। शादी के बाद मिताली ससुराल से घर लौटकर आई। चेहरे पर कोई खुशी नहीं थी। माँ ने ससुराल के लोगों के स्वभाव को लेकर अनेक प्रश्न किए। वह कुछ नहीं बोली। पिता ने भी कुछ पूछना चाहा, उसने टाल दिया। माता-पिता परेशान होने लगे। बेटे के चेहरे की तरफ देखते और आहत होते। फिर एक दिन, मिताली ने पिता से कहा--'मैं अपनी जॉब पर जाना चाहती हूँ।' पिता बोले--'दामाद जी राजी होंगे क्या?' वह उठकर चली गई। पिता उसे देखते रह गए।

दिन बीते। एक रोज मिताली की माँ ने बेटी से कहा--'दामाद जी तुझे लिवाने आ रहे हैं। तुम्हारी सास का संदेशा भी आया है।' मिताली बोली--'उन्हें मना कर दो ! मैं कहीं जाने वाली नहीं। अगर जाउँगी तो अपनी जॉब पर !' माँ बोली--'सास का कहना है, हमें जॉब नहीं करानी।' मिताली ने कहा--'मुझे जॉब पर ही जाना है, ससुराल नहीं जाना।' और वह उठकर चली गई।

माता-पिता समझ नहीं पा रहे थे कि यह उसमें कैसा परिवर्तन है? उन्हें कोई रास्ता नहीं सूझ रहा था। पूछने की बहुत कोशिश हुई लेकिन मिताली ने जुबान नहीं खोली। सास को मिताली का निर्णय बताया गया, तब वहाँ से भी उसे लिवाने कोई नहीं आया।

मिताली ने पैकिंग की और जॉब पर जाने को तैयार हो गई। पिता बोले--'यह तुम्हारा गलत निर्णय है। ससुराल जाने में तुम्हें आपत्ति क्या हैं?'

'मैं वहाँ नहीं जाउँगी।' मिताली ने साफ-साफ कहा। 'कारण क्या है, कुछ तो कहो?' पिता जोर देकर पूछने लगे।

'उन्हीं से कारण भी पूछ लेना।' दृढ़ स्वर में मिताली ने पिता से कहा। पिता फिर भी कुछ नहीं समझ पाए और मिताली को जॉब पर चले जाने दिया।

दोपहर के खाने में वैभव ने स्वीट्स परोसी। ललित पूछने लगा--'किस खुशी में?' वैभव मुस्करा दिया और बोला--'मुझे पैप्सी में अच्छा ऑफर मिला है। यहाँ नोटिस देकर मैं वहाँ चला जाऊंगा।' सबको खुशी हुई। मिताली थोड़ा असहज हो गई। ललित पहले की तरह बातें करने लगा था, लेकिन मिताली सहज नहीं हो पा रही थी। अगले दिन, वैभव ने मिताली से पूछा--'जॉब पर रहते हुए ससुराल से आना-जाना कैसे रहेगा?' उसने जवाब नहीं दिया।

वैभव ने फिर उसे टोका--'हसबैंड क्या यहीं आकर रहेंगे?' उसने वैभव पर नजरें डाली और घूरते हुए पूछने लगी--'किसलिए?' कहने के ढंग से तीक्ष्ण तीर-सा चुभ गया। वैभव कुछ समझ न सका।

छुट्टी का दिन था। मिताली के पिता बेटी से मिलने ऑफिस आए। साथ में मिताली की माँ भी थी। कुछ देर बाद ललित और वैभव का भी वहाँ आना हुआ। चाय के लिए सभी साथ-साथ बैठे। परिचय के बाद शादी की बातों का दौर चला। फिर सिलसिले खुलने लगे। मिताली के ससुराल नहीं जाने पर जिक्र भी चला। वैभव कारण पूछने लगा। मिताली चुप रही।

माँ ने अपना पक्ष रखा। पिता समाज की दुहाई देते रहे। ललित भी जानना चाहता था कि वह ससुराल क्यों नहीं जाना चाहती। मिताली खीज उठी। देर तक चली जिरह में मिताली आक्षेप सुनती रही, चुप रही। लेकिन सभी तो कारण जानने को इच्छुक थे।

तब, मिताली द्रवित हो उठी। खीजकर बोली--'आप सभी जानना चाहते हैं कि मैं ससुराल क्यों नहीं जाना चाहती....तो सुनो, जिस लड़के से मेरी शादी हुई है, वह समलैंगिक है। मुझ में उसे इंट्रेस्ट नहीं है।' गहरा मौन पसर गया। वातावरण स्तब्ध था और मिताली की आँहें उसे तड़पा रही थीं।

कविता

अर्चना कोचर

माफीनामा लिखते हस्ताक्षर

बच्चों की हर मनमानी पर, हमारे हस्ताक्षर चिपकने लग गए हैं
उनकी हर गलती पर माफ़ीनामा, हम लिखने लग गए हैं।

क्षमा बड़न को चाहिए, छोटन को उत्पात में
हम अपनी उम्र से कुछ ज्यादा, बड़े दिखने लग गए हैं।

बहुत बड़े परिवार हुआ करते थे, हमारे बड़े-बुजुर्गों के
जनसंख्या वृद्धि में हम, हमारे दो पर टिकने लग गए हैं।

खोखली नींवों को दस्तक देते, आधुनिकता के रंग में रंगें बच्चों को
हमारे दो बच्चों वाले परिवार भी, अखरने लग गए हैं।

शादी की उम्र को उच्च महत्वाकांक्षाओं में खपाने वाले बच्चे
सृष्टि सृजन में, एग फ्रीज करवाने लग गए हैं।

फल-फूल रहे हैं, विदेशी उड़ान के सपने
लड़का-लड़की दोनों कमाने लग गए हैं।

वृद्धा आश्रम में भी, मां-बाप ने पलकों पर बैठाए हैं बच्चे
बच्चों को नौकर-चाकर, अभिभावक लगने लग गए हैं।

शादी की पवित्रता के, वैचारिक मत-मनभेद में, अधेड़ उम्र के बच्चों को
ब्याहने की बेबसी में, हम भी आंखें मूंदने लग गए हैं ।

लिव इन रिलेशनशिप की रीत-प्रीत में, बंध रहे हैं बच्चे
हम भी बिन फेरे-हम तेरे वाले बंधन पर, आशीर्वाद बरसाने लग गए हैं ।

कान तरस जाते हैं, बच्चों की किलकारियां सुनने में
घरों में भौं-भौं टामी, पलने लग गए हैं।

उम्र बीत रही है हमारी भी, बच्चों को सृष्टि सृजन समझने-समझाने में
वो पुरातनपंथी का टैग, हम पर लगाने लग गए हैं।

मोह-ममता की विवशता में, उनकी हर मनमानी पे
हम भी माफीनामा लिखे अपने हस्ताक्षर, चिपकाने लग गए हैं।

कविता

राकेश कुमार सपड़ा

अपना सा लगता है

ये समुद्र जो लहरों की
मौज पर अपनी मचलता है
ये तन्हा है फिर भी
जाने क्यों सबको
अपना सा लगता है।

ये आसमान नीला
प्रतिबिंब इसका
इसमे झलकता है
ये सूरज गर्मी से
जिसकी जाने
क्या क्या पिघलता है
विचरता है दिन भर
आराम इसको भी
शाम ढलते इसकी
ही आगोश में ही
आ के मिलता है।

झाँके कोई इसमे
गहरा कितना ही
थाह इसका नहीं
किसी को मिलता है
ये चांद पूर्णिमा को
इसी के जल को
तरसता है।

बैठा हूँ किनारे पर इसके
लहरें इसकी छू के
लौट जाती हैं

काश रुक जाती तो
पूछ लेता इनसे
क्यों नहीं रुक के
दो पल
हाल सफर का सुनाती है ?

ये नाता लहरों का सागर से
कितना गहरा होता है
होता शुरू इसी से
खत्म इसी में होता है।

हास्य व्यंग्य, काव्य और लघु कथाओं से समाज को सकारात्मक संदेश दे रहे वरिष्ठ साहित्यकार प्रोफेसर शामलाल कौशल का कहना है कि साहित्य में आई गिरावट का कारण शॉर्टकट के रास्ते लोकप्रियता हासिल करने का प्रयास है। लेखकों को भी बदलते सामाजिक परिवेश के अनुसार साहित्य संवर्धन करने की आवश्यकता है। तभी समाज और संस्कृति को जीवंत रखने की कल्पना की जा सकती है।

साक्षात्कार

ओ.पी. पाल

सामाजिक विसंगतियों को दूर करने का माध्यम साहित्य: शामलाल कौशल

साहित्य जगत में समाज को नई दिशा देने के मकसद से ही लेखक साहित्य साधना करते आ रहे हैं। मूर्धन्य विद्वानों ने साहित्य को समाज का दर्पण माना है। इसलिए लेखक और साहित्यकार अपनी विभिन्न विधाओं में सामाजिक सरोकार के मुद्दों पर साहित्य साधना करके समाज को अपनी संस्कृति और सभ्यता के प्रति सकारात्मक संदेश देते आ रहे हैं। हरियाणा की समृद्ध संस्कृति के संवर्धन में जुटे शिक्षाविद् एवं लेखक शामलाल कौशल भी आलेख, काव्य, हास्य व्यंग्य और लघु कथाओं जैसी विधाओं से अपने रचना संसार को बढ़ाकर साहित्य और समाज को एक-दूसरे के पूरक होने की सार्थकता को सिद्ध करने में जुटे हैं। हरिभूमि संवाददाता से बातचीत में वरिष्ठ साहित्यकार प्रो. शामलाल कौशल ने अपने साहित्यिक सफर को लेकर कई ऐसे पहलुओं को उजागर किया, जिसमें आजकल सामाजिक विसंगतियों के कारण दूर होती सभ्यता, संस्कृति, नैतिकता और बड़ों के प्रति आदर जैसी परंपराओं को जीवंत करने में साहित्य एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का माध्यम है। हरियाणा में रोहतक के वरिष्ठ साहित्यकार प्रो. शामलाल कौशल का जन्म 9 दिसंबर 1943 को पाकिस्तान के डेरा ग़ाज़ी खान में एक साधारण परिवार में तोताराम तथा यशोदा बाई के घर में हुआ था। जब वह बहुत छोटे थे तो भारत पाक विभाजन के समय रेलगाड़ी की छत पर सवारी करके हिंदुस्तान के पंजाब मे संगरूर शहर में उतरे। भारत आने के बाद प्रारंभिक दिन बहुत कठिन और संघर्ष के बीच बीते। इसी बीच साल 1953 में पिता के निधन के कारण पढ़ाई करना मुश्किल था, लेकिन फिर भी उन्होंने किसी तरह संगरूर के राज हाई स्कूल से मैट्रिक पास की। गवर्नमेंट रणबीर कॉलेज से बीए पास किया, जहां उन्हें अर्थशास्त्र पढ़ाने वाले शिक्षक तथा समाजसेवी प्रोफेसर मुंशी राम वर्मा ने उनके लिए एक अभिभावक की भूमिका निभाई और हरसंभव सहायता की। बाद में उन्होंने पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला से एमए (अर्थशास्त्र) उत्तीर्ण की। 1966 में हरियाणा के गोहाना में हरियाणा वार हीरोज मेमोरियल कॉलेज में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर के तौर पर उनकी नौकरी लगी। 1981 में यही कॉलेज सरकारी बन गया और यहां करीब 36 साल अध्यापन करने के बाद 2001 में वह सेवानिवृत्ति हुए। बकौल शामलाल कौशल, हमारे परिवार में किसी की भी साहित्य में रुचि नहीं रही है। परिवार में शायद वह अकेले सदस्य थे, जिन्हें बचपन से ही अखबार पढ़ने की रुचि रही है। अपने कॉलेज की पत्रिका में भी उनके लेख भी नियमित तौर पर लेख प्रकाशित होते रहते थे। प्रो. शामलाल ने बताया कि सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने लेखन कार्य शुरू किया, जिसके लिए उन्हें डॉ. श्याम सखा, डॉ. मधुकांत जैसे कई ऐसे मूर्धन्य विद्वान और साहित्यकारों की प्रेरणा और मार्गदर्शन में कई विधाओं में अपने रचना संसार को लगातार दिशा दी। इसमें उन्होंने सबसे पहले एक हास्य व्यंग्य लिखा, जिसके बाद लघु कथाएं लिखनी शुरू की। खास बात ये भी है कि सेवानिवृत्ति के बाद साहित्य लेखन से ही उनका समय बहुत आसानी से गुजर रहा है और वरिष्ठ साहित्यकारों से मुलाकात और कार्यक्रमों में हिस्सेदारी से उनके ज्ञान में वृद्धि तथा सम्मान मिल रहा है। वे कहते हैं कि साहित्य समाज का दर्पण है। साहित्य का प्रभाव समाज पर पड़ता है और समाज भी साहित्य को प्रभावित करता है। लेकिन आज के समय में अच्छे साहित्य का अभाव इसलिए पनपा है क्योंकि हमारा समाज भी आजकल सभ्यता, संस्कृति, नैतिकता और बड़ों के प्रति आदर व ईमानदारी से दूर होता जा रहा है। हालांकि जिन्हें साहित्य का जुनून है वह अभी साहित्य साधना में जुटे हैं, लेकिन भौतिकतावाद के इस युग में साहित्य के प्रति पाठकों की रुचि पहले के मुकाबले में बहुत कम हो रही है। युवा पीढ़ी में साहित्य के प्रति रूझान न होने का कारण वह अपने करियर को लेकर इंटरनेट का ज्यादा सहारा ले रहे हैं। समाज के ताने बाने को संस्कृति के अनुरुप संजोने के लिए युवा पीढ़ी को साहित्य के लिए प्रेरित करने की बहुत जरूरत है। इसके लिए शिक्षण संस्थानों में साहित्य से संबंधित सामग्री पाठ्यक्रमों में शामिल करके शिक्षक साहित्य की विभिन्न विधाओं के बारे में छात्रों को संस्कारी बना सकते है।

प्रकाशित पुस्तकें

प्रो. शामलाल कौशल की प्रकाशित 15 पुस्तकों में लेख संग्रह-जीना एक कला है तथा खुश कैसे रहें, काव्य संग्रह-यही तो जिंदगी है, हास्य व्यंग्य संग्रह-यह दुनिया पागलखाना, कुंवारों का संडे बाजार व आज्ञाकारी पति होने के फायदे, लघुकथा संग्रह-अगर मां होती, हास्य व्यंग्य-ऐ बेशर्मी! तेरी सदा ही जय हो, लघु कविता संग्रह- जिनकी नहीं होती मां, अभी तो मैं जवान हू और मेरे हीरो मेरे मां बाप, कहानी संग्रह-पिंजरे के पंछी सुर्खियों में हैं। वहीं लेख संग्रह- तनाव ही तनाव भी उनकी कृतियों में शामिल है।

शामलाल कौशल

पुरस्कार व सम्मान

प्रो. शामलाल कौशल को साहित्य साधना के लिए अनेक पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है। हरियाणा साहित्य अकादमी ने उन्हें हास्य व्यंग्य संग्रह 'आज्ञाकारी पति होने के फायदे' के लिए सर्वश्रेष्ठ कृति सम्मान से अलंकृत किया। वहीं लाल बहादुर शास्त्री 'साहित्य रत्न' पुरस्कार, निर्मला स्मृति आजीवन हिंदी साहित्य साधना सम्मान के अलावा कई राज्यों की साहित्यिक संस्थाओं द्वारा अनेक बार सम्मान देकर पुरस्कृत किया जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : प्रो. शामलाल कौशल
जन्मतिथि : 9 दिसंबर 1943
जन्म स्थान : डेरा ग़ाज़ी खान (पाकिस्तान)
शिक्षा : एमए (अर्थशास्त्र, अंग्रेजी,राजनीति शास्त्र)
संप्रति : लेखक, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, राजकीय महाविद्यालय, गोहाना।

जानकारी से परिपूर्ण है एलआईसी ऑफ इंडिया इन ग्लोबल एज

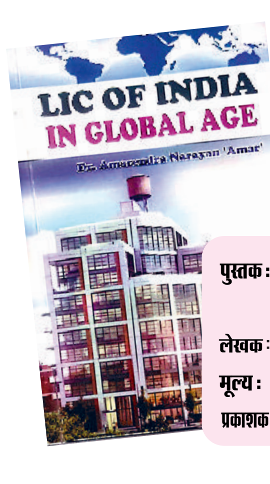

पुस्तक : एलआईसी ऑफ इंडिया इन ग्लोबल एज
लेखक : डॉ. अमरेन्द्र नारायण 'अमर'
मूल्य : 300 रुपये (पेपरबैक)
प्रकाशक : एकेडमिक एक्सीलेंस, नई दिल्ली

पुस्तक समीक्षा

प्रो. एच.के. सिंह

पुस्तक एलआईसी ऑफ इंडिया इन ग्लोबल एज यानि भूमंडलीय युग में भारतीय जीवन बीमा निगम भारतीय जीवन बीमा के स्वरूप का भीतरी एवं बाह्य अध्ययन प्रस्तुत करता है और भारतीय परिप्रेक्ष्य में इसके उद्देश्यों को भी। पिछले कुछ वर्षों में भारत में बीमा के प्रति लोगों में जागरुकता बढ़ी है। चाहे जीवन बीमा हो या साधारण बीमा, व्यक्ति को आर्थिक एवं मानसिक सुरक्षा प्रदान करता है। देश में बीमा के बारे में जानकारी देने वाले पुस्तक काफी कम हैं। डॉ. अमरेन्द्र नारायण 'अमर' द्वारा लिखित यह पुस्तक बीमा के विषय में उल्लेखनीय जानकारी के साथ -साथ उसकी विपणन रणनीति, विभाजन, लक्ष्यीकरण और स्थिति निर्धारण प्रस्तुत करती है एवं संबंधित नियमों आदि के बारे में सूचनाएं देकर पुस्तक को आम जनता के लिए उपयोगी बनाती है। यह पुस्तक अपनी गुणवत्ता और सरलता से बीमा के विषय में उल्लेखनीय जानकारी के कारण विपणन व्यूहरचना और विद्वतापूर्ण वाद-विवाद के अन्दर स्वयं को आधारित करता ही है, साथ ही अपनी दूरदृष्टि से यह पुस्तक भूमंडलीय परिवर्तन के समय विपणन के विभिन्न प्रकारों और भारतीय जीवन बीमा के व्यूहरचनात्मक विपणन पर भी विद्वतापूर्ण चर्चा करते हुए भारतीय जीवन बीमा निगम के परिचालन प्रदर्शन के साथ-साथ संघटनात्मक संरचना और विपणन नीतियों, योजनाओं और रणनीतियों को बहुत अच्छे तरीके से बताता है। सबसे महत्वपूर्ण विशेषता इस किताब की यह है कि एक ही जगह कोई शोधार्थी या व्यक्ति भारतीय जीवन बीमा निगम के स्वरूप एवं प्रकार को तो जान ही सकता है तथा उसकी कार्यप्रणाली ओर उसकी व्यूह योजनाओं को समझने के लिए विपणन को विभिन्न व्यूहयोजनाओं एवं उसके सिद्धान्तों के भी दिग्दर्शन कर सकता है। बीमा, खोज तथा शिक्षा के क्षेत्र में यह लेखक का सराहनीय कार्य और लेखक इसके लिए धन्यवाद के पात्र हैं। यह बीमा क्षेत्र की बेहतरीन पुस्तकों में से एक है। जो व्यक्ति बीमा सलाहकार के रूप में अपना करियर चुन रहा है, वह बीमा उद्योग में अच्छा भविष्य बना सकता है। यह पुस्तक छात्रों, शोधकर्ताओं और कंपनियों के लिए एक मूल्यवान परिसंपत्ति और मार्गदर्शिका है

खबर संक्षेप

बहादुरगढ़। कैंप में लोगों का स्वास्थ्य जांचते चिकित्सक। फोटो : हरिभूमि

छोटूराम नगर में 185 लोगों ने करवाई जांच

बहादुरगढ़। वार्ड नंबर-10 की पार्षद राजकुमारी हरिमोहन धाकरे के सहयोग से जीवन ज्योति अस्पताल द्वारा रविवार को छोटूराम नगर में एक निःशुल्क चिकित्सा जांच एवं औषधि वितरण शिविर आयोजित किया गया। कैंप में 185 लोगों ने अपने परिवारों के साथ अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई। चिकित्सकों ने उन्हें उचित परामर्श के साथ ही निशुल्क दवा उपलब्ध करवाई। इस अवसर पर हीरा लाल साह, योगेंद्र प्रसाद, अनिल कुमार व नवल किशोर गुप्ता आदि मौजूद रहे।

देवीलाल पार्क के बाहर से बाइक चोरी, केस

बहादुरगढ़। गांव निलोठी निवासी विनोद कुमार शनिवार को अपनी ड्यूटी खत्म करके देवीलाल पार्क के बाहर बाइक खड़ी करके जरुरी काम से चला गया था। लेकिन वापिस आया तो उसकी बाइक गायब मिली। पुलिस ने शिकायत के आधार पर बीएनएस की धारा 305 के तहत केस दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

बहादुरगढ़ से कुंभ के लिए गया था, नहीं लौटा

बहादुरगढ़। गांव देवरखाना निवासी एक व्यक्ति गाड़ी लेकर 11 फरवरी को कुंभ में जाने के लिए घर से निकला था, लेकिन अब तक वापिस नहीं लौटा। पुलिस ने उसकी पत्नी की शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सोनी ने बताया कि उसका पति निरंजन बाबू मंगलवार करीब 10 बजे गाड़ी में सवार होकर घर से कुंभ मेले के लिए निकला था। लेकिन अभी तक वापिस नही लौटा और उसका फोन भी नहीं मिलता। पुलिस ने उसकी शिकायत के आधार पर बीएनएस की धारा 127(6) के तहत केस दर्ज किया है।

समितियों का ऑनलाइन नवीनीकरण अनिवार्य

झज्जर। डीसी प्रदीप दहिया ने बताया कि हरियाणा समिति पंजीकरण एवं विनियमन अधिनियम 2012 के तहत पंजीकृत समितियों नए अधिनियम के अनुसार नवीनीकरण कराना होगा। उन सभी समितियों को जो सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के तहत पंजीकृत थीं उन्हें नवीनीकरण करवाना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि सरकार की इस पहल से प्रदेश में समितियों की पारदर्शिता और सुचारू संचालन को बढ़ावा मिलेगा।

दुकान में आग लगाने वाला गिरफ्तार

बहादुरगढ़। थाना सेक्टर-6 एरिया में एक दुकान में आग लगाने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया। बिहार मूल के अशोक ने शिकायत दी थी कि वह दुकान किराए पर लेकर रेडीमेड कपड़े बेचता है। लेकिन 9 फरवरी को उसे दुकान में आग लगने की सूचना मिली।

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में स्वयं दिवस का आयोजन

अब शिक्षा कक्षा तक सीमित नहीं ऑनलाइन माध्यम भी हैं सुलभ

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में स्वयं दिवस कार्यक्रम में छात्रों को बताई डिजिटल एजुकेशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। बाबा अमरनाथ यूनिवर्सिटी में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित कुलपति एच एल वर्मा , रजिस्टर विनोद कुमार, स्टाफ व छात्र। फोटो : हरिभूमि

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में स्वयं दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को स्वयं प्लेटफॉर्म के प्रति जागरूक करना और उन्हें डिजिटल शिक्षा के नए अवसरों से जोड़ना रहा। कार्यक्रम के दौरान, स्वयं प्लेटफॉर्म के बारे में विस्तार से बताया गया, जो कि भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है और मुफ्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम प्रदान करता है। इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से छात्र किसी भी स्थान से और किसी भी समय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एचएल वर्मा ने कहा कि आज का युग डिजिटल शिक्षा का युग है। अब शिक्षा केवल कक्षा तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह ऑनलाइन माध्यमों के द्वारा हर व्यक्ति के लिए सुलभ हो गई है। स्वयं प्लेटफॉर्म डिजिटल शिक्षा को सशक्त बनाने का एक क्रांतिकारी माध्यम है। इस प्लेटफॉर्म का उपयोग करके छात्र अपने ज्ञान का विस्तार कर सकते हैं और अपनी शिक्षा को अगले स्तर तक ले जा सकते हैं। प्रो. नवीन कुमार डीन एकेडमिक अफेयर्स ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में डिजिटल शिक्षा का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। हमें चाहिए कि हम डिजिटल प्लेटफार्मों का अधिकतम उपयोग करें और अपने ज्ञान को आधुनिक आवश्यकताओं के अनुसार विकसित करें। डिजिटल शिक्षा का सही उपयोग करके छात्र अपने करियर में नए अवसर प्राप्त कर सकते हैं। प्रो. एससी गाखर, निदेशक अनुसंधान ने स्वयं प्लेटफॉर्म की संभावनाओं और इसकी उपयोगिता पर कहा कि स्वयं केवल एक प्लेटफॉर्म नहीं, बल्कि एक सुनहरा अवसर है, जिससे छात्र अपने करियर को नई दिशा दे सकते हैं। यह मंच छात्रों को विविध विषयों में विशेषज्ञता प्राप्त करने का मौका देता है। इसके माध्यम से छात्र अपनी स्किल्स को अपग्रेड कर सकते हैं और प्रतिस्पर्धा के इस दौर में खुद को आगे रख सकते हैं।

डिजिटल प्लेटफार्मों का विस्तार से परिचय दिया

प्रो. संगीता मलिक ने डिजिटल प्लेटफार्मों का विस्तार से परिचय देते हुए कहा कि स्वयं प्लेटफॉर्म का उद्देश्य केवल ज्ञान देना नहीं, बल्कि छात्रों को आत्मनिर्भर बनाना भी है। इस प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध पाठ्यक्रम न केवल छात्रों के अकादमिक विकास में सहायक हैं, बल्कि ये उनके व्यावसायिक कौशल को भी निखारते हैं। प्रो. रवि कुमार राणा ने छात्रों से ऑनलाइन शिक्षा के नए अवसरों का लाभ उठाने की अपील की। इस अवसर पर प्रो. मनोज कुमार वर्मा, डॉ. पलवी भारद्वाज सहित अन्य मौजूद रहे।

डिजिटल लर्निंग को अपनाएं छात्र

उन्होंने ऑनलाइन शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि आज के समय में छात्रों को डिजिटल लर्निंग को अपनाना चाहिए और ऑनलाइन पाठ्यक्रमों का अधिकतम लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि स्वयं जैसे मुफ्त प्लेटफार्म और पेड प्लेटफार्मों के बीच क्या अंतर है।

डिजिटल शिक्षा का महत्व आज के समय में बढ़ा

विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो. विनोद कुमार ने कहा कि डिजिटल शिक्षा का महत्व आज के समय में और भी बढ़ गया है। ऑनलाइन शिक्षा केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि एक आवश्यकता बन चुकी है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से छात्र अपनी शिक्षा को बेहतर बना सकते हैं, अपने कौशल को विकसित कर सकते हैं और आधुनिक तकनीकों को सीख सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन शिक्षा केवल पारंपरिक शिक्षण प्रणाली का पूरक नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण संसाधन है, जो छात्रों को व्यावसायिक रूप से सशक्त बनाने में मदद करता है। उन्होंने बताया कि डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का उपयोग करने से छात्र न केवल अपने अकादमिक ज्ञान को बढ़ा सकते हैं, बल्कि वे उद्योग जगत की आवश्यकताओं से भी परिचित हो सकते हैं।

क्रेडिट कार्ड खाते से 87 हजार रुपये कटे

- 4 फरवरी को क्रेडिट कार्ड अपडेट करने को लेकर फोन आया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

वर्चुअल ठगी के मामले थमने का नाम ही नहीं ले रहे हैं। इसी क्रम में एक व्यक्ति से क्रेडिट कार्ड की लिमिट अपडेट करने के नाम पर करीब 87 हजार रुपए ठग लिए गए। सेक्टर–2 निवासी रविंद्र सरूप ने बताया कि उसने करीब 9-10 महीने पहले बजाज कंपनी का आरबीएल की तरफ से क्रेडिट कार्ड बनवाया था। इसकी लिमिट एक लाख 10 हजार रुपए था। उसके मोबाइल पर 4 फरवरी को क्रेडिट कार्ड अपडेट करने को लेकर फोन आया। इसे लेकर उन्होंने करीब 10 मिनट तक बातचीत की। लेकिन कुछ देर बाद ही उसके क्रेडिट कार्ड अकाउंट से 87 हजार 6 रुपए कटने का मैसेज आया। पीड़ित ने पलटकर उस नंबर पर कॉलबैक की, लेकिन दूसरी तरफ से फोन नहीं उठा। उसने 1930 नंबर पर कॉल करके ठगी होने की शिकायत की। पुलिस ने शिकायत के आधार पर बीएनएस की धारा 318(4) के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सिलानी गेट स्थित प्लाट में खड़ी मोटरसाइकिल चोरी

झज्जर। शहर के सिलानी गेट स्थित डाकौतों वाली गली के नजदीक एक प्लाट से मोटरसाइकिल चोरी होने का मामला सामने आया है। पुलिस को दी शिकायत में सिलानी गेट में रहने वाले इमलोटा निवासी संजय ने बताया कि उसने बीती तीस जनवरी को अपनी मोटरसाइकिल डाकौतों वाली गली के पास अपने प्लाट में खड़ी थी। जब वह शनिवार को वापिस लौटा तो उसकी मोटरसाइकिल चोरी हो चुकी थी। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर नियमानुसार आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

गांव तुंबाहेड़ी में रास्ता रोक कर मारपीट का आरोप

झज्जर। क्षेत्र के गांव तुंबाहेड़ी में रास्ता रोककर एक व्यक्ति की पिटाई करने का मामला सामने आया है। पुलिस को दी शिकायत में सतीश कुमार ने बताया कि वह खेती बाड़ी का काम करता है। जब वह बीती 27 जनवरी को खेत में जा रहा था तो बस स्टैंड के नजदीक गांव के ही पवन व नरेंद्र ने उसका रास्ता रोक लिया। इसके बाद उसने अपने परिवार के अन्य पांच-छह सदस्यों के साथ उसकी लाठी व डंडों से पिटाई की। चोट लगने के कारण वह बेहोश हो गया था। इस झगड़े में उसके पैर भी टूट गया था। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर नियमानुसार आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

तकनीक का उपयोग बढ़ाएं पुलिसकर्मी

बहादुरगढ़। अनुसंधानकर्ताओं को डिजिटल जानकारी देते एसीपी प्रदीप कुमार।

- एसीपी प्रदीप कुमार ने अनुसंधानकर्ताओं को डिजिटल उपकरणों के बारे में दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

एसीपी प्रदीप कुमार ने तीन नए कानूनों के बारे में थाना सेक्टर-6 के कर्मचारियों को जानकारी देते हुए उन्हें ई-साक्ष्य ऐप सहित विभिन्न डिजिटल उपकरणों से परिचित कराया। मीटिंग में अनुसंधानकर्ताओं को नई कानूनी आवश्यकताओं और जांच में डिजिटल उपकरणों का उपयोग बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया। एसीपी प्रदीप कुमार ने बताया की अनुसंधानकर्ता घटनास्थल का निरीक्षण, गवाहों के बयान और सामान जब्त करने की प्रक्रिया की वीडियोग्राफी ई-साक्ष्य एप के माध्यम से करें। यह प्रक्रिया न्यायालय में केस सुनवाई के दौरान सही और सटीक साक्ष्य उपलब्ध कराने में मदद करेगी। उन्होंने बताया कि अपराधी के पकड़े जाने पर उसके पास से बरामद सामग्री आदि का फोटो और वीडियो इस एप पर अपलोड किया जाए। यह रिकॉर्ड स्थायी रूप से सुरक्षित रहेगा। जरूरत पड़ने पर अदालत इसे तुरंत देख सकेगी। उन्होंने इस दौरान कानूनी प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण पर भी चर्चा की। नए नियमों के तहत, समन अब ई-मेल, व्हाट्सएप या अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से भेजे जा सकते हैं। यदि समन भेजते समय कोई त्रुटि संदेश प्राप्त नहीं होता है, तो इसे प्रभावी रूप से तामील माना जाएगा। इस बदलाव से कानूनी प्रक्रिया में तेजी आने और समन वितरण में देरी कम होने की उम्मीद है। इससे समय पर अदालती फैसले लेने में मदद मिलेगी। उन्होंने अनुसंधानकर्ताओं को आधुनिक तकनीक से अपडेट रहने और इन बदलावों के अनुकूल ढलने के लिए प्रोत्साहित किया।

सुने हुए उपदेश के अनुसार आचरण भी जरूरी

- ईश्वर निराकार है, वह सर्व व्यापक है : आचार्य स्वदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

ईश्वर की बड़ी महिमा है। वह संसार को केवल बनाकर छोड़ नहीं देता अपितु उसका पालन भी करता है। यह विचार वैदिक भक्ति साधन आश्रम में आयोजित यजुर्वेद ब्रह्म पारायण यज्ञ के पूर्णाहुति के अवसर पर मथुरा से आये यज्ञ ब्रह्मा आचार्य स्वदेश व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि सुने हुए उपदेश के अनुसार आचरण भी करें। ईश्वर निराकार है, वह सर्व व्यापक है। जब वह विश्व के कण-कण में व्याप्त है, तो एक पत्थर,धातु या काष्ठ के टुकड़े में उसकी कल्पना करना कोई बुद्धिमत्ता नहीं है। इससे पूर्व यजुर्वेद के मंत्रों के साथ आहुति प्रदान की गई। विश्ववारा कन्या गुरुकुल की ब्रह्मचारिणियों ने सस्वर वेद पाठ किया। यज्ञ पुरोहित आचार्य शक्तिदेव रहे। मंच संचालन मंत्री जितेंद्र मेहता ने किया। प्रधान योगराज अरोड़ा ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस अवसर पर उप प्रधान केशव आर्य, प्रबंधक शशि मुनि धर्मदेव खुराना, संदीप काहनी, बलराज खुराना, कोषाध्यक्ष यशपाल भाटिया, समीर सागर, अंकुर अरोड़ा ,आचार्य प्रविंद्र, देशराज आर्य आदि उपस्थित रहे।

कर्मियों को बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं सुधरने का इंतजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। सेक्टर–4बी में निर्माणाधीन 100 बैड का ईएसआईसी अस्पताल।

झज्जर जिले में औद्योगिक क्षेत्रों में कर्मचारियों के लिए बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव पर कॉन्फेडरेशन ऑफ बहादुरगढ़ इंडस्ट्रीज ने चिंता जताई है। जिले के उद्योगों में कार्यरत लगभग डेढ़ लाख से अधिक कर्मचारी ईएसआईसी में पंजीकृत हैं। इनके साथ-साथ उनके आश्रितों की संख्या 4 लाख से अधिक है। पूरे जिले में प्राथमिक चिकित्सा सेवा के नाम पर मात्र 6 डिस्पेंसरी उपलब्ध हैं। बहादुरगढ़ के सेक्टर-4बी में निर्माणाधीन 100 बैड का अस्पताल भी अब तक चालू नहीं हुआ है। कोबी अध्यक्ष प्रवीण गर्ग, उपाध्यक्ष विपिन बजाज, महासचिव प्रदीप कौल, संयुक्त सचिव सुरेंद्र वशिष्ठ, कोषाध्यक्ष अशोक कुमार मित्तल आदि ने जिले में कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य व्यवस्था के अभाव को लेकर मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री को पत्र भेजा है। कोबी से जुड़े उद्यमियों ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्रों के कर्मचारियों के लिए पीएचसी व सीएचसी में पहुंचना अत्यंत कठिन है। लाखों कर्मचारियों और उनके परिवारों को उचित स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों की खराब आर्थिक स्थिति के बावजूद उन्हें आवश्यक बुनियादी सुविधाएं नहीं मिल पाती हैं। औद्योगिक क्षेत्रों की दुर्दशा के कारण कर्मचारी भी बीमार हो रहे हैं। यहां सड़कों की जर्जर हालत, ओवरफ्लो वेस्ट और गंदगी से कर्मचारी बीमार हो रहे हैं। सरकार द्वारा बजट पारित किए जा रहे हैं, परंतु जमीनी स्तर पर कोई कार्य नहीं दिख रहा है। कोबी पदाधिकारियों ने कहा कि सरकार एवं संबंधित विभाग अविलंब झज्जर जिले के औद्योगिक क्षेत्रों में स्वास्थ्य, जल एवं आधारभूत संरचनाओं की स्थिति को सुधारने के लिए ठोस कदम उठाएं।

ट्रक की टक्कर से कार सवार तीन घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

याकूबपुर से सौंधी जाने वाले मार्ग पर तेज रफ्तार मिक्चर ट्रक ने गाड़ी को टक्कर मार दी। जिसके कारण गाड़ी में सवार तीन लोग घायल हो गए। पुलिस को दी शिकायत में पेलपा गांव निवासी अमन गुलिया ने बताया कि वह बीती चौदह फरवरी को अपनी मां राजबाला व बहन बबीता के साथ कार में सवार होकर रोहतक गया था। जब वह रोहतक से वापिस लौट रहे थे शाम करीब पांच बजे याकूबपुर से सौंधी जाने वाले रास्ते पर एक बगैर नंबर वाले मिक्चर ट्रक ने उनकी कार को टक्कर मार दी। बाद में राहगीरों द्वारा तीनों घायलों को बुढ़ेड़ा गांव स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस दुर्घटना में जहां उसकी मां व बहन गंभीर रूप से घायल हो गई वहीं उसे भी हल्की चोटें आई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर नियमानुसार आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

मोटरसाइकिल की टक्कर से महिला जख्मी

झज्जर। डाकघर से पैसे निकलवा कर घर लौट रही सुलौधा गांव निवासी महिला को एक मोटरसाइकिल चालक ने टक्कर मारकर घायल कर दिया। पुलिस को दी शिकायत में सुलौधा निवासी सतबीर ने बताया कि बीती चौदह फरवरी को उसकी भाभी भतेरी व उसके छोटे भाई की पत्नी कविता स्कूटी पर झज्जर डाकघर में पैसे निकलवाने आई थी। सतबीर के अनुसार उसे अपनी गाड़ी में काम कराना था। जब उसने पैसों के संबंध में अपनी भाभी से पूछा तो उन्होंने बताया कि वे बाबरा गांव की तरफ से लौट रही हैं। इसके बाद जब वह गांव के जोहड़ के नजदीक पहुंच गया। इस दौरान जब उसकी भाभी भतेरी पैसे देने के लिए स्कूटी से नीचे उतर रही थी तो एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने उसे टक्कर मारकर घायल कर दिया। इसके बाद उसने अपनी भाभी को शहर के एक निजी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर केस दर्ज कर नियमानुसार आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

सैकड़ों लोगों ने आध्यात्मिक प्रवचन सुनकर कमाया धर्मलाभ

ब्रह्मकुमारी सुषमा ने करवाया राजयोग का अभ्यास

- शिव जयंती महोत्सव में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

फोटो 3, 4 महम। शिव जयंती के मौके पर प्रवचन करते हुए ब्रह्मकुमारी बहनें और समारोह में मौजूद क्षेत्रवासी।

प्रजापिता ब्रह्मकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय की शाखा द्वारा शिव जयंती के उपलक्ष पर पंजाबी धर्मशाला में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में शहर व आस पास के गांवों के सैकड़ों लोगों ने आध्यात्मिक प्रवचनों का लाभ उठाया। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के पूर्व वीसी डॉ. मार्कन्डेय आहुजा ने समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। राजस्थान से जयपुर जोन की इंचार्ज राजयोगिनी ब्रह्मकुमारी सुषमा दीदी समारोह में बतौर मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुई। उन्होंने शिव जयंती पर मन के ऊपर शांति का जल चढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि मैं आत्मा शुद्ध हूं और शांत हूं ये अभ्यास करेंगे तो देवता बन जाएंगे। ब्रह्मकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय नारी लक्ष्मी और नर नारायण बनाने का काम कर रहा है। यहां पर छोड़ना कुछ नहीं है भगवान से लेना है। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने सभी को राजयोग का अभ्यास करवाया। मुख्य अतिथि डॉ. मार्कन्डेय ने बताया कि आज के समय में हम भौतिकता की चरम सीमा में जी रहे हैं। आज सोच बदलने की जरूरत है। इसी के लिए इस महोत्सव का आयोजन किया गया है। इस मौके पर अन्नु दांगी, राधा अहलावत, महंत सतीश दास, डॉ. कृष्ण कुमार लांबा, दिनेश गुप्ता व फतेह सिंह समेत कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

गाड़ी की टक्कर से बाइक सवार घायल

झज्जर। शहर के गुरुग्राम मार्ग पर एक गाड़ी द्वारा मोटरसाइकिल सवार को साइड मारकर घायल करने का मामला सामने आया है। पुलिस को दी शिकायत में सिलाना गांव निवासी धर्मेंद्र ने बताया कि वह जब दुलीना गांव की तरफ से झज्जर आ रहा था तो एक गाड़ी ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह मोटरसाइकिल सहित सड़क के साथ लगती झाड़ियों में जा गिरा। धर्मेंद्र के अनुसार इसी दौरान पीछे से आ रही एक अन्य गाड़ी की टक्कर भी उस गाड़ी से हो गई थी। बाद में उसके परिजनों द्वारा उसे उपचार के लिए बहादुरगढ़ के एक निजी अस्पताल में दाखिल कराया गया। पुलिस को दी शिकायत में पीड़ित द्वारा टक्कर मारने वाली गाड़ी के नंबर भी दिए हैं। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर नियमानुसार आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

तूड़े की खरीद-फरोख्त करने वाला युवक लापता

झज्जर। एक-दो दिन में वापिस आने की बात कहकर घर से गया युवक जब चार दिन बाद भी वापिस नहीं लौटा तो उसके परिजनों द्वारा गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस को दी शिकायत में क्षेत्र के गांव पलड़ा निवासी दीपक ने बताया कि उसका छोटा भाई मोनू तूड़े की खरीद-फरोख्त का कार्य करता है। बीती 11 फरवरी की दोपहर वह बगैर बताए घर से चला गया था। इसके बाद शाम को उसने अपनी पत्नी को मोबाइल पर बताया कि वह तूड़े के कार्य से बाहर जा रहा है तथा एक-दो दिन बाद वापिस लौटेगा।

31 साहित्यकार सम्मानित, 10 पुस्तकों का लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

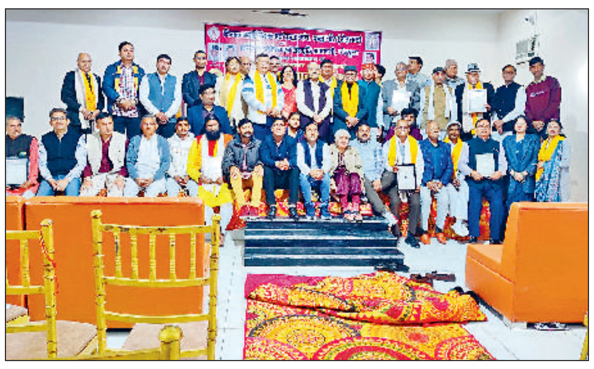

कलानौर में स्थित हरियाणा हवेली में रविवार को निराला साहित्यिक कला मंच रोहतक एवं हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी द्वारा 31 साहित्यकारों को सम्मानित कर 10 पुस्तकों का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सुशीला जांगड़ा की सरस्वती वंदना तथा विशिष्ट एवं अति विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। तीन सत्रों में चले इस कार्यक्रम की अध्यक्षता बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय रोहतक के हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. बाबूराम, मुख्य अतिथि हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के हिंदी हरियाणवी प्रकोष्ठ के निदेशक डॉ धर्मदेव विद्यार्थी, अतिविशिष्ट अतिथियों में डॉ. रामफल खटकड़, डॉ मधुकांत, डॉ जयभगवान सिंगला तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. एस के शर्मा, हलचल हरियाणवी, मोहन निरंकारी, डॉ अशोक कुमार मंगलेश रहे। प्रथम सत्र में मुख्य अतिथि, विशिष्ट एवं अति विशिष्ट अतिथियों के सम्मान एवं उनके वक्तव्यों द्वारा हरियाणवी भाषा को राष्ट्रीय भाषा बनाने पर बल दिया गया।

द्वितीय सत्र में मंच से 10 पुस्तकों- घटता आंचल, टूटता तारा (डॉ सत्यबीर निराला), लोक रश्मियां (सुशीला जांगड़ा), मित्र उपनिषद (राधेश्याम गोमल), अव्यक्त प्रेम (मोनिका यादव), रतनपुर की महामाया, ये हीरे हिंदुस्तान के (डॉ त्रिलोकचंद), हरियाणा की माटी की सुगंध (देवीराम शर्मा), मुक्तक काव्य (डॉ फूलकुमार राठी) का लोकार्पण किया गया।

तृतीय सत्र में प्रो बाबूराम, डॉ धर्मदेव विद्यार्थी, डॉ मधुकांत, डॉ जयभगवान सिंगला, रामफल खटकड़, डॉ एस के शर्मा, डॉ अशोक कुमार मंगलेश, मोहन निरंकारी, हास्य कवि हलचल एवं मनोज गौतम को निराला हिंदी साहित्य शिरोमणि सम्मान से सम्मानित किया गया। राधेश्याम गोमला, नरेंद्र अत्री संतोषी, सुशीला जांगड़ा, डॉ देवी राम शर्मा निर्मल, शकुंतला काजल सकुन, डॉ अशोक कुमार जाखड़, गौड़ प्रेमपाल शर्मा, ओमप्रकाश चौहान, सीमा रंगा, डॉ सविता शर्मा, प्रो शामलाल कौशल, महाराज प्रेम पाल सागर, डॉ फूल कुमार राठी, रामेश्वर देव, डॉ त्रिलोक चंद, कमलेश पालीवाल कमल, सुरेश कुमार सिलोदिया, अर्चना कोचर, मुलक राज आकाश, जय सिंह जीत एवं श्रीनिवास को निराला हिंदी साहित्य रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पुस्तकों एवं विचारों का आदान-प्रदान भी हुआ। मंच संचालन डॉ अशोक कुमार मंगलेश द्वारा किया गया। हरियाणवी साहित्य के संवर्धन के लिए देश-प्रदेश से आए साहित्यकारों के लिए यह राष्ट्रीय हिंदी-हरियाणवी साहित्योत्सव न केवल एक मंच बना, बल्कि साहित्य प्रेमियों के लिए एक प्रेरणादायक अवसर भी साबित हुआ।

मोक्ष प्राप्त करना मनुष्य का अंतिम लक्ष्य : सुरेंद्र

रोहतक। मोक्ष प्राप्त करना मनुष्य जीवन का अंतिम लक्ष्य है। धार्मिक आचरण के द्वारा मोक्ष की प्राप्ति होती है। परमात्मा को मानना सारे गुणों की जड़ है। परमात्मा को न मानना सारे दुर्गुणों की जड़ है। यह विचार आर्य समाज तिलक नगर के तत्वाधान धर्मशाला में आयोजित वेद प्रचार कार्यक्रम में मुख्य वक्ता पूर्व कुलपति गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय प्रोफेसर सुरेंद्र कुमार ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि मनुष्य का आत्मा सत्य और असत्य को जानने वाला होता है। बुरा कर्म करते हुए मन में भय, शंका और लज्जा उत्पन्न होती है। परमात्मा की अनुभूति सबको होती है। नास्तिक विचार धारा के कारण रूस का विखंडन हो गया। ईश्वर विश्वासी की आत्मा बलवान होती है। उन्होंने कहा कि परमात्मा की उपासना आत्मा का भोजन है। इससे पूर्व डॉ. जगदेव सिंह के ब्रह्मत्व में दैनिक यज्ञ सम्पन्न हुआ। डॉ. सुशील कुमार ने ईश्वर भक्ति एवं समाज सुधार के भजन सुनाए। प्रधान करतार सिंह आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस अवसर पर प्रो. सुरेंद्र कुमार एमडीयू, ब्रह्मदत्त, डॉ. अमरजीत शास्त्री, कंवर सिंह गुलिया, पवनजीत, पंडित संजीवन कुमार, सचिन दुआ, सतीश आर्य, मनदीप, आकाश हुड्डा, अंकुर अरोड़ा आदि उपस्थित रहे।

बिना विवाह संबंध व समगोत्र विवाह को लोकसभा, विधान सभा में विधेयक द्वारा अवैध घोषित कराने के लिए यात्रा शुरू

रोहतक। बिना विवाह संबन्ध व समगोत्र विवाह को लोकसभा, विधान सभा में विधेयक द्वारा अवैध घोषित कराने के लिए यात्रा 14 फरवरी से शुरू की गई। प्रो महावीर धीर शास्त्री ने बताया कि यात्रा में उनके साथ रवीन्द्र कुमार सैनी,डा राजकुमार दहिया, रामकिशन हुड्डा व सुनील सिंगला शामिल हैं। उन्होंने बताया कि समाज में प्रचलित बिना विवाह संबन्धों व समगोत्र विवाहों से परिवारों में झगड़े, हत्याएं, आत्म हत्याएं बढ़ते जा रही हैं। जगह-जगह कई बार इनके खिलाफ ज्ञापन दिए जाने पर भी सरकार ध्यान नहीं दे रही हैं। बल्कि समाज में घर बसाने के सुंदर ताने बाने को नष्ट वाले ऐसे लोगों को सुरक्षा दी जा रही है। इसके विरोध में जनजागृति यात्रा शुरू की गई है। इसके तहत गांव बहुअकबरपुर में ग्रामीणों को जागरूक किया। यात्रा रोहतक से शुरु होकर भिवानी, हिसार, हांसी होते हुए महम के गांव बहुअकबरपुर में पहुंची। जहां लोगों को जागरूक किया गया। इसके बाद सरकार को ज्ञापन देकर कार्यवाही की मांग की जाएगी।

नागरिक चिन्हित अवैध कॉलोनियों में न करें खरीद-फरोख्त: उपायुक्त

तोडफोड़ की कार्रवाई व एफआईआर दर्ज करवाने की प्रक्रिया जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

धीरेंद्र खड़गटा(उपायुक्त)

प्रशासन शहर में बनाई जा रही अवैध कॉलोनियों पर सख्ती करने जा रहा है। इसके लिए नोटिस जारी किए गए हैं। साथही आमजन को जागरूक किया जा रहा है। अब प्रशासन ने उन 86 कॉलोनियों के रकबा व किला नम्बर जारी किए हैं ताकि आमजन यहां प्लाट न खरीदें। उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने नागरिकों का आह्वान किया है कि वे जिला प्रशासन द्वारा 20 राजस्व संपदाओं में चिन्हित की गई 86 अंवैध कॉलोनियों में खरीद-फरोख्त न करें। जिला प्रशासन द्वारा चिन्हित कॉलोनियों में नियमानुसार विभागीय कार्यवाही (तोडफोड़ की कार्यवाही व एफआईआर दर्ज करवाने) की जा रही है एवं भविष्य में भी उपरोक्त के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। यह चिन्हित कालोनियों नियमितिकरण पॉलिसी के अन्तर्गत नहीं आती हैं।

चिन्हित की गई 86 अवैध कॉलोनियों की सूची

क्र. सं.	राजस्व संपदा	किला/खसरा संख्या किला/खसरा संख्या
1	मकडौली खुर्द	48//5/1, 5/2, 5/3, 49//1
2	मकडौली खुर्द	69//6, 7/2, 14/1, 15/1, 68//11
3	मकडौली खुर्द	40//16/1/1, 17/1/1/1, 17/1/1/3
4	मकडौली खुर्द	69//16, 17, 24/2, 25, 71//5/1/2
5	मकडौली खुर्द	69//6, 7/2, 14/1, 15/1, 68//11
6	मकडौली कलां	58//4/1/2, 4/2/2, 5/1, 92//1, 2, 3/1, 10/1
7	मकडौली कलां	160//4 मिन
8	मकडौली कलां	160//5/1, 128//25 मिन
9	बोहर	89//9/1, 9/2, 9/4, 10 मिन
10	बोहर	190//22/1, 219//2, 3/1, 8/3, 9 मिन
11	बोहर	226//2, 3/2, 3/1, 219//22/1, 22/2, 22/3, 23/1
12	गढ़ी बोहर	335//1, 2/1, 2/2, 2/3, 2/4, 3/2/2, 3/2/3
13	बोहर	71/17, 24
14	बोहर	215//14, 15/1, 16/2, 17/1
15	बोहर	255//19/3, 20/1/2, 21/2, 22/2
16	गढी बोहर	287//25/1, 25/2, 25/3, 295//1/1, 1/2, 288//21/2
17	गढ़ी बोहर	287//6/4, 288/10/1, 10/3/1, 10/3/2
18	बोहर	24//19, 20, 21, 22, 23, 35//1, 2, 3, 8, 9, 10/1, 11/1/2, 12/1, 13/1/2, 13/2
19	बोहर	194//15, 17/1/1, 17/2/2, 24, 25/1
20	गढ़ी बोहर	296//5/1
21	बोहर	71//4/1, 7, 13, 14, 17, 18, 23, 24
22	बोहर	56//16, 17, 18, 19/1, 19/2, 23/1, 23/2, 25/1, 71//5/2
23	गढ़ी बोहर	360//7/1, 7/2, 7/3, 7/4, 8/1, 8/2, 8/3, 8/5, 8/6, 14/1
24	बोहर	190//25, 220//1, 219//5/1, 5/2,6
25	बोहर	220//23/2/1, 225//3/2, 8/1/1, 8/2, 13/1
26	बोहर	58//5/2, 6
27	बोहर	88//20/1, 21/1/2/2, 21/1/2/1
28	बोहर	2/20, 21, 19 मिन, 22 मिन, 1//16 मिन, 25 मिन, 27//5 मिन, 26//1, 2, 9 मिन
29	बोहर	25//11, 26//15
30	बोहर	255//7, 8/1/2
31	बोहर	35//24/1, 58///4/1, 7
32	बोहर	88//1/2/2, 9/1
33	भैयापुर	62//6, 7/1/1, 28//22, 23/1, 23/2, 24/1/1, 24/1/2, 24/2/1, 25/1/1, 32/2,3, 4, 7, 8, 9/1, 9/2, 12/1, 13/1, 14/1
34	भैयापुर	29//23, 24, 31//3, 4, 7/1, 8/1, 22//11/1/2, 20/3/1, 21/1/2, 38//1/1/2
35	भैयापुर	70//10/110/2, 12/1, 12/2, 12/3, 13, 14 मिन, 18, 19, 23
36	भैयापुर	69//9/2/2, 12, 19
37	भैयापुर	30//6/2, 62//4/1, 4/2, 7/1/2
38	भैयापुर	28//22, 23/1, 23/2, 24/1/1, 24/1/2, 24/2/1, 25/1/1, 32//2, 3, 4, 7, 8, 9/1, 9/2, 12/1, 13/1, 14/1
39	रोहतक	5605, 3862, 3863/1, 11113/3883, 17723/3861, 17724/3861, 17725/3861/ 1,17725/3868, 17728/3860/2/2, 3864, 3865, 3866, 3884, 3885, 3844/2,3846, 3847, 3869/2, 3872/2, 3880, 3881, 3882, 3842, 3845, 3848, 3849, 3850
40	रोहतक	5944, 5949, 5948, 5945, 5951, 5952, 5953, 5954, 5955, 5956, 5957, 5958, 5959, 5960, 5961, 5962
41	रोहतक	73, 78 मिन, 79 मिन
42	रोहतक	6410, 6111, 6413, 6414, 6415, 6416, 6417, 6418, 6453, 6154, 6457, 6458, 6459, 6460, 6466, 6484, 6486, 6487, 6488, 6490
43	रोहतक	5568, 5569, 5570, 5571, 5572, 5573, 5574
44	रोहतक	6564, 6711
45	रोहतक	3795, 3796, 3819
46	रोहतक	3851, 3851/2, 3851/3, 3851/4
47	रोहतक	7178, 7179, 7188, 7189, 7190
48	रोहतक	3581, 3582, 3583, 3584, 11120/3587
49	रोहतक	6737, 6901, 11798/6899, 11800/6899, 11803/6900, 11804/6902
50	रोहतक	4702, 4703, 4704, 4705, 4707, 4708, 4710, 4916, 4917, 4913, 4914, 4915, 4903, 4904, 4902, 4694, 5698, 5695, 5694, 5693, 5691, 5690, 5668, 5669, 5670, 5696, 5697, 5667, 5666, 5665, 5664, 5701
51	सुनारिया कलां	10//8/1, 8/2, 9/1, 9/2, 9/3, 12, 13/1, 19, 99//3/3, 4/1, 6/2/1, 7, 8/1
52	सुनारियाकलां	102//19/1, 20/2, 21, 22/1/2, 103//16/2, 17/1, 17/2, 24/2, 24/3, 25
53	सुनारियाकलां	98//10, 11/1, 11/2/1, 11/2/2, 20/1/1, 20/1/2
54	सुनारियाकलां	96//16, 25, 97//1, 10, 11, 20/2, 23//8/1, 8/2, 9/1, 9/2, 10/1, 11/2, 12/1, 12/2, 13/1, 54//5/2/2, 6/1/2, 6/3/1, 6/3/3, 11/2, 12, 13/1, 13/2, 14/1, 16/2, 25/3
55	कन्हेली	46//18 मिन, 23 मिन, 24 मिन
56	कन्हेली	54//7, 8/1, 8/2, 11, 12, 13, 14/1, 14/2, 18, 19/1
57	शिमली	31//17/2/2, 18/1, 18/2, 19/1, 19/3, 20, 30//16, 17, 18, 21, 22, 23
58	समर गोपालपुर	140//8/1
59	समरगोपालपुर	146//11, 12/1/2/1, 19/2, 20, 21, 22, 147//15, 16, 25
60	समरगोपालपुर	55//1, 2, 3, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 81//1, 2, 3, 8, 9, 10,11
61	समर गोपालपुर	146//1/2/1, 147//4, 5/1, 5/2
62	सराय अहमद	16//1, 14, 15, 16, 23//2, 7/17/2, 11, 12, 17, 18, 19, 24//9, 16, 17, 18, 28//4
63	सराय अहमद	14//10 मिन, 11/1, 15//4, 5/1, 6/1, 6/2/1, 6/2/2, 7, 15/1, 15/2
64	सराय अहमद	28//4, 7/2, 14/2, 15, 16, 17/1, 17/2/1, 17/2/2, 25
65	सराय अहमद	14//4/1, 12, 13, 18/1
66	सराय अहमद	9//4/1, 5/2, 7/1
67	सराय अहमद	16//4/7
68	सराय अहमद	3//21/2, 4//16/2/1, 25/2/2, 10//5, 6, 15, 11//1/1/2
69	सुंदरपुर	28//12/2, 13, 18, 23
70	सुंदरपुर	33//15/1, 15/2, 15/3, 15/4, 16/1, 34//10/1 मिन, 10/1, 10/3, 11/1 मिन, 11/3
71	सुंदरपुर	19//12/2, 19, 22/1
72	सुंदरपुर	33//15/1, 15/2, 15/3, 15/4, 16/1, 34//10/1 मिन, 10/1, 10/3, 11/1 मिन, 11/3
73	बालंद	57//17, 18
74	टिटौली	98//5, 6, 15, 16, 17 मिन, 25 मिन, 99//1, 10, 11, 20, 21
75	टिटौली	124//7/1/1, 7/1/3, 14/2/2, 16/2/2, 17/1, 24/2, 25/1
76	मायना	72//5, 73//1, 2, 3, 4, 5/1, 5/2, 6/1, 6/2, 7, 8, 9, 10, 11/2, 12/2, 13, 14, 15/1, 15/2, 16, 17, 18, 19/1
77	मायना	65//13, 14, 15, 16, 17, 18, 21/1, 21/2, 22, 23/1, 23/2, 23/3, 68//1, 3/1/1
78	मायना	77//1, 2, 3, 9/2, 10, 11, 20
79	मायना	57//22, 23, 24, 25, 76//3, 4, 5, 7
80	बहु अकबरपुर	15//11, 20/1, 20/2, 152//14/2/2, 15, 16/1, 24, 25, 16/2, 185//4/1, 7, 14/1, 14/2
81	जिंदराण कला	145//12, 13, 14/2, 17, 18, 19, 20, 22/1, 23, 24
82	कुताना	12//5/2, 6/1, 8//25/2/2/2, 12//11/1, 11/2, 10मिन
83	कुताना	38//15/1/2, 16/1/1
84	कुताना	57//6/2, 15/1
85	भालौठ	117//13/2/1, 18/2, 23/1,
86.	पहरावर	64//3/2/1, 8/1/2

परिस्थितियां कितनी भी विकट क्यों न हों सुधार की गुंजाइश हमेशा बनी रहती

- मानवीय मूल्यों और नागरिक चेतना का विकास करके बेहतर इंसान बनाना, हम सब की जिम्मेदारी : अशोक गर्ग
- छोटे-छोटे बच्चों के नृत्यों ने कार्यक्रम में लगाए चार चांद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

बच्चे हमारी पूंजी हैं। उनमें मानवीय मूल्यों और नागरिक चेतना का विकास करके बेहतर इंसान बनाना, हम सब की जिम्मेदारी है। यह बात पूर्व उपायुक्त एवं गुरुग्राम नगर निगम कमिश्नर अशोक गर्ग ने जुगनू फाउंडेशन का उद्घाटन करते हुए कही। उन्होंने कहा कि परिस्थियां कितनी भी विकट क्यों न हों, सुधार की गुंजाइश हमेशा बनी रहती हैं, इसलिए उम्मीद कभी न छोड़ें। बच्चों को सही दिशा देकर हम बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकते हैं, क्योंकि बच्चे ही कल के कर्णधार और राष्ट्र के निर्माता हैं। वो ही बदलाव की ज्वाला को प्रज्ज्वलित करेंगे। छोटे छोटे बच्चों के नृत्यों ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए।

बच्चो, तुम जीवनभर बच्चे ही बने रहना

तोशाम से आए शिवदर्शन मलिक ने कहा कि बच्चो, तुम जीवनभर बच्चे ही बने रहना, क्योंकि बड़े होकर अक्सर हम सीखना और जीना छोड़ देते हैं। एसएम सांगवान और राजबीर मलिक ने जल संरक्षण के लिए जागरूक करते हुए कहा कि पानी बचा कर ही हम अगली पीढ़ी को बचा सकते हैं। जुगनू फाउंडेशन के अध्यक्ष जगदीप जुगनू ने बताया कि वे लंबे समय से प्रवासी मजदूरों के बच्चों के बीच शिक्षा का काम कर रहे हैं। शिक्षा के साथ साथ उन्हें नए कौशल सिखाने और उनकी प्रतिभा को निखारने की गतिविधियां भी समाज के सहयोग से की जाती हैं। इन प्रयासों से बच्चों के जीवन में काफी बदलाव आया है। कार्यक्रम के अंत में बच्चों की शिक्षा में सहयोग देने वाली हस्तियों को सम्मानित किया गया, जिनमें डॉ. राजेश अहलावत, विश्वदीपक त्रिखा, मिथलेश, संतोष गुप्ता, आशीष मित्तल, गौरव सिंधु आदि शामिल रहे। इस अवसर पर वरिष्ठ संस्कृतिकर्मी राघवेन्द्र मलिक, गुलशन शर्मा, महेन्द्र पंडित, आरती साहू, पूनम पंडित, धर्मपाल मलिक, अंतरराष्ट्रीय फोटोग्राफर अनिल कुमार, अरविंद सैनी सहित अन्य उपस्थित रहे।

पैसा, पद और सत्ता हासिल करने की दौड़ ने हमें रोबोट बना दिया

पूर्व सरपंच एवं समाजसेवी सुमित मकड़ौली ने कहा कि पैसा, पद और सत्ता हासिल करने की अंधी दौड़ ने हमें रोबोट बना दिया है। हमारी संवेदनाएं मरती जा रही हैं। झूठ-फरेब, ईर्ष्या, स्वार्थ और नफरत में अंधे होकर हम इंसान को इंसान नहीं समझते। ऐसे समय में जुगनू फाउंडेशन ने कमजोर और वंचित वर्ग के बच्चों को तराशने, निखारने व आगे बढ़ाने की पहल की है, जोकि स्वागत योग्य कदम है।

माता-पिता हमारे प्रथम गुरु : जैन

रोहतक। माता धनपति देवी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा मातृ-पितृ पूजन दिवस मनाया गया। मीडिया प्रभारी राजीव जैन ने बताया इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रूपेश जैन व संगीता जैन ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर समारोह का शुभारंभ किया। ट्रस्ट द्वारा निशुल्क शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्र-छात्राओं के माता पिता, मातृ-पितृ पूजन दिवस में आए और अपने बच्चों को आर्शीवाद दिया कि बच्चे उद्यम साहस, बुद्धि, शक्ति, पराक्रम के धनी हो। बच्चों ने अपने माता-पिता को तिलक लगाया और अपने माता-पिता की सात बार परिक्रमा की। रूपेश जैन ने कहा कि माता-पिता हमारे प्रथम गुरु होते हैं तथा प्रमुख प्रेरणा दायक कहलाते हैं। ट्रस्ट के संयोजक पवन गोयल ने बच्चों को आशीर्वाद दिया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि बच्चे अपने माता पिता का आदर करते रहें और उनसे अपना आशीर्वाद प्राप्त करते रहें। डॉ. पुष्पलता आहुजा ने भी बच्चों को मनमोहक गीत के द्वारा मंत्रमुग्ध कर दिया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

शिविर में 187 मरीजों की हुई जांच

रोहतक। नवजीवन हॉस्पिटल के सौजन्य व पूर्व सरपंच विजेंद्र मालिक के सानिध्य में गांव खरावड़ में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर व औषधि वितरण शिविर का आयोजन रविवार को किया गया। जिसमें 187 मरीजों ने अपना बीपी, शुगर व थायराइड का चेकअप करवाया व दवाइयां ली।

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10×8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

मांग | हरियाणा के बीच राजधानी और हाईकोर्ट बनाने की मांग

23 को चौबीसी चबूतरे पर होगी स्वाभिमान रैली

- खाप प्रतिनिधियों ने रविवार को सीसर खास, बहलबा, बसाना, मोखरा और मदीना गांवों का दौरा किया
- ग्रामीणों से अधिक से अधिक संख्या में स्वाभिमान रैली में पहुंचने की अपील की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महम

महम। ग्रामीणों को स्वाभिमान रैली का न्योता देते चौबीसी सर्वखाप पंचायत प्रतिनिधि।

हरियाणा के बीच में प्रदेश की नई राजधानी और हाईकोर्ट बनाने की मांग को लेकर 23 फरवरी को महम में चौबीसी चबूतरे पर स्वाभिमान रैली आयोजित की जाएगी। रैली की तैयारियों को लेकर चौबीसी सर्वखाप पंचायत प्रतिनिधि गांव गांव जाकर ग्रामीणों को रैली में पहुंचने का न्योता दे रहे हैं। खाप प्रतिनिधियों ने रविवार को सीसर खास, बहलबा, बसाना, मोखरा और मदीना गांवों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से अधिक से अधिक संख्या में स्वाभिमान रैली में पहुंचने की अपील की। खाप प्रधान सुभाष ने बताया कि इस रैली अध्यक्षता महम चौबीसी सर्वखाप पंचायत करेगी। रैली के आयोजक स्वाभिमान आंदोलन के संयोजक मास्टर हरि सिंह चौधरीवास हैं। न्याय पक्ष संगठन के अध्यक्ष रणदीप लोहचब भी प्रदेशभर के विभिन्न इलाकों में पहुंचकर लोगों से रैली में पहुंचने का निमंत्रण दे रहे हैं। स्वाभिमान आंदोलन से जुड़े लोगों की यह मांग जायज है क्योंकि हरियाणा के बीच राजधानी बनने से इलाके का विकास होगा। इस दौरान महासचिव मास्टर रामफल राठी, प्रवक्ता कृष्ण बडाली, सन्दीप नहरा निंदाना, महम तपा प्रधान महाबीर गोयत, निंदाना तपा प्रधान सूरजमल राठी, बहलबा तपा प्रधान बलजीत राठी, लाखनमाजरा तपा प्रधान दलबीर उर्फ काला मुंडिया, पूर्व, चेयरमैन वजीर सिंह, राजेश गोयत,पूर्व सरपंच होशियार सिंह खरैटी, पूर्व सरपंच सन्दीप गुगाहेड़ी, पूर्व सरपंच बलवान अजायब सहित विभिन्न गांवों के ग्रामीण मौजूद रहे।